Patrika (Indore), 06th December 2021, Page-1

शोध | नीदरलैंड्स-जापान के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर किया काम

आइआइटी इंदौर ने खोजी कोविड की नई दवा

अभिषेक वर्मा
patrika.com

इंदौर. लगातार नए वैरिएंट सामने आने से दुनियाभर के लोग कोविड से परेशान हैं। इस बीच आइआइटी इंदौर के एक शोध से राहत मिली है। आइआइटी ने नीदरलैंड और जापान के शोधकर्ताओं के सहयोग से दवा (पेप्टाइड) के रूप में कोविड का प्रभावी इलाज खोजने का दावा किया है। आइआइटी इंदौर के बायोसाइंसेस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मिर्जा एस. बेग ने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों की टीम के साथ 'ड्रग्स' और 'वायरोलॉजी' जैसी प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शोध-पत्रिकाओं में यह महत्वपूर्ण शोध प्रकाशित किया है। यह दवा (पेप्टाइड) प्रोटीन का छोटा सा हिस्सा है, जिसका उपयोग न सिर्फ कोविड-19 के इलाज के लिए, बल्कि संक्रमण को दूर रखने के लिए भी किया जा सकता है। सफल प्रयोग के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि इससे कोविड संक्रमितों का प्रभावी इलाज हो सकेगा। औपचारिकता पूरी करने के बाद करीब 6 महीने में ये दवा बाजार में उपलब्ध होने की संभावना है।डॉ. बेग के अनुसार, अलग-अलग अध्ययनों में पाया गया है कि पेप्टाइड अब तक आए कोविड के सभी वैरिएंट पर प्रभावी है।

कोरोना की ड्रग खोजने का दावा करने वाली टीम के लैब इंचार्ज लतीफ, सज्जन राजपूत, डॉ. मिर्जा एस. बेग, कुंदन सोलंकी, खांडू दिगंबर और प्रमोद पाटीदार।